न्यूज डायरी

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति के पैलेस में काम करने वाले 20 लोग कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। कोरोना वायरस के संक्रमण में दुनियाभर में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के पैलेस में काम करने वाले करीब 20 लोगों में कोरोना संक्रमण की बात सामने आई है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राष्ट्रपति अशरफ गनी भी कोरोना वायरस के संक्रमण के शिकार हुए हैं या नहीं। अफगानिस्तान के एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति के पैलेस में काम करने वाले करीब 20 लोग कोरोना से संक्रमित हैं, लेकिन इस बात को जाहिर नहीं किया जा रहा है ताकी लोगों में पैनिक न हो। हालांकि गनी के प्रवक्ता और अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। आपको बता दें कि अशरफ गनी ने हाल ही में दोबारा अफगानिस्तान के राष्ट्रपति के तौर पर अपना कार्यभार संभाला है।

68 साल में पहली बार महारानी एलिजाबेथ का बर्थडे कैंसल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने 21 अप्रैल को अपने 94 वें जन्मदिन पर होने वाले सभी पारंपरिक समारोहों की योजना रद्द कर दी है। बकिंघम पैलेस ने शनिवार को यह जानकारी दी। 93 वर्षीय महारानी की 68 साल के शासनकाल में पहली बार ऐसा होगा, जब किसी कार्यक्रम का आयोजन नहीं होगा। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के कारण हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। यहां 15,464 लोगों की मौत कोरोना के चलते हो चुकी है। हर साल महारानी के जन्मदिन पर तोपों की सलामी दी जाती है जिसे इस बार कैंसल कर दिया गया है। हालांकि, उनके जन्मदिन पर मंगलवार को पैलेस से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाएगा, जहां सब लोग बधाई दे सकते हैं। कोविड–19 के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए लागू मौजूदा सामाजिक दूरी के उपायों के कारण शाही परिवार के सदस्य महारानी को जन्मदिन की बधाई फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से देंगे। ब्रिटेन में कोरोना वायरस से अब तक 14,576 लोगों की जान जा चुकी है।

स्पेन में कोरोना वायरस लॉकडाउन को 9 मई तक बढ़ाया गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैड्रिड। कोरोना वायरस का प्रकोप पूरी दुनिया में जारी है। स्पेन (चपद) कोरोना की सबसे ज्यादा त्रासदी झेल रहे देशों में से एक है। इसी को देखते हुए स्पेन में कोरोना वायरस लॉकडाउन (ब्वतवदं स्वबाकवूद) को 9 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने इसकी घोषणा की। स्पेन में कोरोना वायरस के कारण मरने वालों की संख्या शनिवार को 20 हजार पहुंच गई, जबकि संक्रमण के मामले 1,90,000 से अधिक हो गये। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि महामारी के कारण अब तक 20 हजार 43 लोगों की मौत हो गई है और पिछले 24 घंटे में स्पेन में 565 लोग मारे गए हैं। यहां कोरोना संक्रमण के लगभग 4,500 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि स्पेन में अबतक 74,000 से अधिक लोग ठीक संक्रमण से मुक्त चुके हैं। स्पेन कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित देशों में शामिल है।

भूख से बेहाल हुए लोग फूड बैंक की तरफ भागे, बाहर खड़ी हो गईं 1000 कारें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का दंश झेल रहे कई परिवार फूड बैंक की तरफ उमड़ रहे हैं और दूर तक लगी कारों की कतारों में दान के लिए घंटों इंतजार कर रहे हैं। लॉकडाउन के कारण एक के बाद एक कारोबार रातोंरात बंद हो जाने के कारण 2.2 करोड़ लोग बेरोजगार हो गए है और वे खाने–पीने के लिए दानदाताओं पर निर्भर हो गए हैं। मंगलवार को पेन्सिलवेनिया में ग्रेटर पीट्सबर्ग कम्युनिटी फूड बैंक के एक वितरण केंद्र में करीब 1,000 कारें कतारों में खड़ी रहीं। उसके भोजन के पैकेटों की मांग मार्च में करीब 40 फीसदी तक बढ़ गई है।

अब हॉन्गकॉन्ग लॉकडाउन के बिना कोरोना से जीता

जीत पब्लिक हेल्थ के उपायों पर ज्यादा ध्यान दिया और टारगेटेड आइसोलेशन पर ध्यान दिया

■कम्प्लीट लॉकडाउन की जगह सोशल डिस्टेंसिंग का सहारा लिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हॉन्गकॉन्ग। दुनिया के कई देशों में कोरोना से लड़ने के लिए फुल लॉकडाउन लागू है तो कुछ देश ऐसे भी हैं जो अन्य उपायों के जरिये कोरोना वायरस से निपट रहे हैं और उनका यह फॉर्म्यूला हिट भी रहा है। दक्षिण कोरिया के बाद अब हॉन्गकॉन्ग सुर्खियां बना रहा है जहां लघॅकडाउन के बिना कोविड19 महामारी के प्रसार पर सफलतापूर्वक रोक लगाई गई है। 31 मार्च को यहां 715 मामले दर्ज किए गए थे और अब अप्रैल के मध्य में कुल केस 1,024 हैं जिनमें 568 लोग रिकवर हो चुके हैं। आंकड़ों को देखकर पता चलता है कि हॉन्गकॉन्ग ने कोरोना को किस तरह से मात दी है।

सोशल डिस्टेंसिंग, लक्षित आइसोलेशनः डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, हॉन्गकॉन्ग टार्गेटेड आइसोलेशन और सोशल डिस्टेंसिंग के जरिये कोरोना से निपट रहा है। हॉन्गकॉन्ग ने सीमा पर प्रतिबंध लगा दिए थे और पुष्ट मामलों में ही क्वारंटीन की व्यवस्था की और साथ ही संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों को क्वारंटीन किया। इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग के उपाय अपनाए गए। विशेषज्ञों का मानना है कि ये उपाय जहां सफल रहे वहीं इससे इकॉनमी को वैसा नुकसान नहीं झेलना पड़ा जैसा कि दूसरे देशों में हुआ है। चीन में दिसंबर 2019 में कोरोना का केस सामने आने के बाद वहां की शी चिनफिंग सरकारों ने विभिन्न प्रांतों में लॉकडाउन घोषित कर दिया। भारत, पाकिस्तान जैसे एशियाई देशों के अलावा अमेरिका और कई यूरोपीय देशों में लॉकडाउन घोषित है जिससे वहां की इकॉनमी पर असर पड़ रहा है।

पब्लिक हेल्थ के उपाय पर ज्यादा जोरः 75 लाख आबादी वाले इस देश में पब्लिक हेल्थ के उपायों पर ध्यान दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका असर देखने को मिला और कोरोना के मामले बढ़ने की जगह घटने लगे। हॉन्ग कॉन्ग यूनिवर्सिटी के प्रफेसर बेंजामिन कॉउलिंग कहते हैं, पब्लिक हेल्थ उपायों को अपनाने के कारण हॉन्गकॉन्ग ने यह दिखाया कि कैसे कोविड19 के संक्रमण को रोका जा सकता है और वह भी बिना कम्प्लीट लॉकडाउन के। हॉन्गकॉन्ग की सफलता से दुनिया की दूसरी सरकारों को सीखने की जरूरत है।श अपने अध्ययन में प्रफेसर कॉउलिंग और उनके सहयोगियों ने हॉन्गककॉन्ग में जनवरी से 31 मार्च के बीच कोरोना के पॉजिटिव केस से संबंधित डेटा का अध्ययन किया। अध्ययनकर्ताओं की टीम ने पाया कि वायरस का पहला केस आने के बाद से लेकर अब तक कोविड19 से लड़ने में हॉन्गकॉन्ग के लोगों की सोच में काफी बदलाव आया है।

चीनी सरकार ने कोरोना पर छुपाई जानकारी, बनाया जाए जवाबदेह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। चीन पर नोवेल कोरोना वायरस से जुड़ी जानकारी छुपाने का आरोप लगाते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति शी चिनपिंग के नेतृत्व वाली सरकार को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए और उन्हें बताना चाहिए कि कैसे कोविड19 महामारी तेजी से पूरी दुनिया में फैली।

वायरस का केस सामने आने के बाद से अमेरिका चीन पर हमलावर रहा है और ऐनिमल मार्केट से वायरस फैलने की पेइचिंग की थियरी पर वह यकीन नहीं कर रहा। अमेरिका का मानना है कि यह वायरस

शी चिनफिंग सरकार सच छुपा रही है

चीन के लैब से इंसानों में फैला है।

फॉक्स न्यूज से बातचीत में पॉम्पियो ने कहा, इसकी काफी जरूरत है कि चीन सरकार कोरोना को लेकर बात करे। वे कहते हैं कि वे सहयोग करेंगे। सहयोग करने का सबसे बेहतर तरीका यह हो सकता था था कि वे दुनिया और दुनिया के वैज्ञानिकों को यह जानने देते कि यह कैसे शुरू हुआ और यह किस तरह से दुनिया में फैलना शुरू हुआ। उन्होंने कहा, जनता से पहले नेतृत्व को इसकी जानकारी थी।

यूरोप में संक्रमण से मरने वालों की संख्या एक लाख पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच कोरोना संक्रमण से यूरोप में मरने वाले लोगों की संख्या शनिवार को एक लाख के आंकड़े को पार कर गई है । यह पूरे विश्व में कुल मौतों की संख्या का करीब दो तिहाई हिस्सा है। कोविड–19 से मरने वाले लोगों से जुड़ी समाचार एजेंसी एएफपी की लिस्ट में यह दावा किया गया है। आपको बता दें कि दुनिया भर में अब तक कोविड–19 के संक्रमण की वजह से लगभग 1,57,163 लोगों की मौत हो चुकी है वहीं, कोरोना वायरस से बुरी तरह से प्रभावित यूरोप में संक्रमण के अबतक कुल 11,36,672 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 1,00,501 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देशों में इटली और स्पेन कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

लॉकडाउन में भी मस्जिद में ही नमाज अदा करेंगे लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राष्ट्रपति आरिफ अलवी ने घोषणा की कि पवित्र महीना रमजान के दौरान देशभर के मस्जिद खुले रहेंगे। इस दौरान तारावीह (शाम की अजान) और जुमे की नमाज के लिए श्रद्धालु एकसाथ जुट पाएंगे। पाक में कोरोना के हर दिन नए मामले सामने आ रहे हैं और 30 अप्रैल तक लॉकडाउन घोषित है, वैसे में राष्ट्रपति के बयान से जाहिर होता है कि किस तरह यहां के राजनीतिज्ञ कट्टरपंथी मौलवियों के आगे कमजोर पड़ गए हैं।

दरअसल, इस घोषणा से कुछ देर पहले ही राष्ट्रपति ने देश के

कट्टरपंथियों के आगे झुके पाकिस्तान के राष्ट्रपति

मौलवियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये रमजान के दौरान मस्जिद में जमावड़े को लेकर चर्चा की थी। इसके एक दिन पहले अल्वी ने देश के धार्मिक और राजनीतिक नेताओं से भी इस मसले पर चर्चा की थी। इनमें जमात–ए–इस्लामी के चीफ और सीनेटर सिराजुल हक और जमियत उलेमा–ए–इस्लाम फज्ल के नेता मौलाना फजलुर रहमान शामिल हुए थे।

अल्वी ने घोषणा की, मस्जिद में जमावड़े के साथ तारावीह और जुमे की नमाज के लिए सशर्त मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि मौलवियों के साथ 20 दिशानिर्देशों पर बात हुई है जिसपर वे सहमत हुए हैं। दिशानिर्देश में इस बात का जिक्र है कि नमाजियों के बीच 6 फुट की दूरी रहेगी। कार्पेट हटा दिए जाएंगे, फर्श पर कीटनाशक का छिड़काव किया जाएगा और नमाजी प्रशासन के साथ सहयोग करेंगे।

इमरान खान सरकार ने धार्मिक नेताओं सहित आम लोगों को मस्जिद से दूर रखने की तमाम कोशिश की लेकिन फिर भी लोग लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए मस्जिद पहुंच गए। यहां तक कि लॉकडाउन लागू करने आईं एसएचओ पर कराची के एक मस्जिद के बाहर हमला भी कर दिया गया।

40 साल तक दूसरों को सेवाएं देती रहीं, आखिरी वक्त में परिवार भी नहीं आया साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस महामारी ने भले ही दुनिया में हजारों जानें ली हों लेकिन इससे न तो लोगों का हौसला कम हुआ है और न ही इससे निपट लेने की उम्मीद ही खत्म हुई है। इस भयानक मानवीय आपदा के बीच कई प्रेरक कहानियां भी सामने आ रही हैं। ऐसी ही कहानी है ब्रिटेन की नर्स बारबरा सेज की जिनकी कोरोना मरीजों का इलाज के दौरान मौत हो गई। बारबरा (68) खुद भी कोरोना की चपेट में आ गई थीं।

अपनी जिंदगी के 40 साल दूसरों की मदद में गुजारने वाली बारबरा पहली मेरी क्यूरी वर्कर थीं जिन्होंने रविवार को आईसीयू में आखिरी सांस ली। दो बच्चों की मां बारबरा ने अपनी तमाम जिंदगी दूसरों की सेवा में गुजार दी लेकिन जिंदगी के आखिरी पल में उनकी मदद के लिए परिवार ने आने से मना कर दिया। 18 साल की उम्र में ऐबुलेंस ड्राइवर के रूप में अपना करियर शुरू करने वाली बारबरा ने 14 साल तक मेरी क्यूरी के लिए काम किया। इसके बाद वह पूर्वी लंदन में सीनियर हेल्थ केयर असिस्टेंड के रूप में कार्यरत थीं। उनकी मौत पर उनके साथियों ने कहा कि वो हमेशा याद आएंगी।